अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवं 23 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 23 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या **67/SS/A**
कोड नं०
स्तवकः/सेट **A**

वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(345)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च .....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् 1. .....
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. .....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 67/SS/A, स्तवकः A नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग), (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 67/SS/A, सेट [A] अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(345)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100
परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 20, [B] भागे 15, [C] भागे 6, [D] भागे 6, [E] भागे 4—इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [A] भाग में 20, [B] भाग में 15, [C] भाग में 6, [D] भाग में 6, [E] भाग में 4—कुल मिलाकर 51 प्रश्न हैं।

(ii) **समे** प्रश्नाः अनिवार्याः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) A भागे प्र. सं. **1** तः **20** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु। एतेषु केषुचित् प्रश्नेषु आन्तरिकः विकल्पः प्रदत्तः अस्ति। एतादृशेषु प्रश्नेषु दत्तविकल्पेषु एकस्य एव प्रयासः करणीयः।

भाग A में प्रश्न संख्या **1** से **20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें। इनमें से कुछ प्रश्नों पर एक आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से केवल एक ही प्रयास करना चाहिए।

(v) B भागे प्र. सं. **21** तः **35** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग B में प्रश्न संख्या **21** से **35** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उनके निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(vi) C भागे प्र. सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **30** तः **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग C में प्रश्न संख्या **36** से **41** तक प्रत्येक दो-दो अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न है। निर्देशानुसार उनके **30** से **50** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(vii) D भागे प्र. सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग D में प्रश्न संख्या **42** से **47** तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके **50** से **80** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(viii) E भागे प्र. सं. **48** तः **51** पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।
भाग E में प्रश्न संख्या **48** से **51** तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके **80** से **100** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।
अपनी उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखिए।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
उत्तर पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
जाँचें कि क्या प्रश्न-पत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।
प्रश्न-पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखिए।

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 2:15 p.m. From 2:15 p.m. to 2:30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 2:15 बजे किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

[A] विंशतिप्रश्नानां प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×20=20

बीस प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए :

1. 'र्थव' धातोः भवति—

(क) कौटिल्यार्थकः (ख) हिंसावाचकः

(ग) पूर्वोक्तौ उभयार्थकौ (घ) उक्तेषु न कोऽपि अर्थः

'थर्व' धातु है

(क) कौटिल्यार्थक (ख) हिंसावाचक

(ग) (क) और (ख) दोनों (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. अथर्ववेदस्य प्राथमिकत्वं केन उद्घोषितम्?

(क) पाणिनिना (ख) जैमिनिना

(ग) गौतमेन (घ) जयन्तभट्टेन

अथर्ववेद की सबसे पहली घोषणा किसने की?

(क) पाणिनि ने (ख) जैमिनि ने

(ग) गौतम ने (घ) जयन्तभट्ट ने

3. 'तत्र वेदश्चत्वारः, प्रथमोऽथर्ववेदः' इति वचनं कस्मिन् ग्रन्थे प्राप्यते?

(क) न्यायमञ्जर्याम् (ख) तर्कसंग्रहे

(ग) मीमांसान्यायप्रकाशे (घ) तर्कभाषायाम्

'तत्र वेदश्चत्वारः, प्रथमोऽथर्ववेदः'—यह वचन किस ग्रंथ में प्राप्त होता है?

(क) न्यायमञ्जरी में (ख) तर्कसंग्रह में

(ग) मीमांसान्याय प्रकाश में (घ) तर्कभाषा में

4. शौनकः कस्य शिष्यः आसीत्?

(क) पाणिनेः (ख) पथ्यस्य

(ग) सुमन्तोः (घ) भृगोः

शौनक किसका शिष्य था?

(क) पाणिनि का (ख) पथ्य का

(ग) सुमन्त का (घ) भृगु का

5. मौदमुनेः उल्लेखः कुत्र प्राप्यते?

(क) महाभाष्ये (ख) शावरभाष्ये

(ग) उभयत्र (घ) न कुत्रापि

मौदमुनि का उल्लेख कहाँ प्राप्त होता है?

(क) महाभाष्य में (ख) शावरभाष्य में

(ग) (क) और (ख) दोनों में (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. दीर्घायुषः कृते कानि सूक्तानि पठ्यन्ते?

(क) आयुष्यसूक्तानि (ख) भैषज्यसूक्तानि

(ग) पौष्टिकसूक्तानि (घ) प्रायश्चित्तसूक्तानि

दीर्घायु के लिए कौन-से सूत्र का पाठ किया जाता है?

(क) आयुष्यसूक्त का (ख) भैषज्यसूक्त का

(ग) पौष्टिकसूक्त का (घ) प्रायश्चित्तसूक्त का

7. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) 'क्षत्रवेदः' इति नामकरणं कस्य अस्ति?

(क) ऋग्वेदस्य (ख) सामवेदस्य

(ग) यजुर्वेदस्य (घ) अथर्ववेदस्य

'क्षत्रवेद' किसका नाम है?

(क) ऋग्वेद का (ख) सामवेद का

(ग) यजुर्वेद का (घ) अथर्ववेद का

अथवा

(ब) अथर्ववेदे 'तक्माः' इति कस्य नाम अस्ति?

(क) शिरःपीडायाः (ख) ज्वरस्य

(ग) उदररोगस्य (घ) पित्तस्य

अथर्ववेद में 'तक्माः' किसका नाम है?

(क) सिर की पीड़ा का (ख) ज्वर का

(ग) उदर रोग का (घ) पित्त का

8. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) वाचं स्वपक्षे आनेतुं के प्रयत्नशीलाः बभूव?

(क) मनुष्याः (ख) देवाः

(ग) गन्धर्वाः (घ) राक्षसाः

वाणी (वाचं) को अपने पक्ष में लाने के लिए कौन प्रयत्नशील हुआ?

(क) मनुष्य (ख) देव

(ग) गन्धर्व (घ) राक्षस

अथवा

(ब) प्रजापतिमुखात् कस्य उत्पत्तिः अभवत्?

(क) ब्राह्मणस्य (ख) क्षत्रियस्य

(ग) वैश्यस्य (घ) शूद्रस्य

प्रजापति के मुख से किसकी उत्पत्ति हुई?

(क) ब्राह्मण की (ख) क्षत्रिय की

(ग) वैश्य की (घ) शूद्र की

9. ''शौनको नाम मेधावी विज्ञानारण्यके गुरुः'' इति वाक्यं कुत्र प्राप्यते?

(क) मत्स्यपुराणे (ख) पद्मपुराणे

(ग) भविष्यपुराणे (घ) कूर्म्मपुराणे

''शौनको नाम मेधावी विज्ञानारण्यके गुरुः''—यह वाक्य कहाँ प्राप्त होता है?

(क) मत्स्यपुराण में (ख) पद्मपुराण में

(ग) भविष्यपुराण में (घ) कूर्म्मपुराण में

10. ''तस्मात् साङ्गमधीत्यैव ब्रह्मलोके महीयते'' इति वाक्यं कुत्र प्राप्यते?

(क) महाभाष्ये (ख) अष्टाध्याय्याम्

(ग) नारदीयशिक्षायाम् (घ) पाणिनीयशिक्षायाम्

''तस्मात् साङ्गमधीत्यैव ब्रह्मलोके महीयते''—यह वाक्य कहाँ प्राप्त होता है?

(क) महाभाष्य में (ख) अष्टाध्यायी में

(ग) नारदीय शिक्षा में (घ) पाणिनीय शिक्षा में

11. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) धातोः अन्ते कः स्वरो भवति?

(क) उदात्तः (ख) अनुदात्तः

(ग) स्वरितः (घ) प्रचयः

धातु के अंत में कौन-सा स्वर होता है?

(क) उदात्त (ख) अनुदात्त

(ग) स्वरित (घ) प्रचय

अथवा

(ब) लिति परे प्रत्ययस्य पूर्वस्वरः किं भवति?

(क) प्रचयः (ख) स्वरितः

(ग) उदात्तः (घ) अनुदात्तः

लित से परे प्रत्यय का पूर्वस्वर क्या होता है?

(क) प्रचय (ख) स्वरित

(ग) उदात्त (घ) अनुदात्त

12. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) संज्ञायामुपमानम् इति सूत्रं भवति—

(क) अतिदेशसूत्रम् (ख) अधिकारसूत्रम्

(ग) विधिसूत्रम् (घ) निषेधसूत्रम्

संज्ञायामुपमानम् यह सूत्र है

(क) अतिदेश सूत्र (ख) अधिकार सूत्र

(ग) विधि सूत्र (घ) निषेध सूत्र

अथवा

(ब) छन्दसि दक्षिणस्य उदात्तः भवति—

(क) आदिः (ख) अन्तः

(ग) आदिः अन्तश्च (घ) न आदिः अन्तो वा

छन्दस् में दक्षिण का उदात्त होता है

(क) आदि (ख) अन्त

(ग) आदि और अन्त (घ) न आदि न अन्त

13. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) उञ्छादिगणे कति गणसूत्राणि सन्ति?

(क) दश (ख) नव

(ग) अष्टौ (घ) एकादश

'उञ्छादिगण' में कितने गण सूत्र होते हैं?

(क) दस (ख) नौ

(ग) आठ (घ) ग्यारह

अथवा

(ब) 'क्षय'-शब्दस्य कस्मिन् अर्थे आदिः उदात्तः भवति?

(क) निवासे अर्थे (ख) विनाशे अर्थे

(ग) गत्यर्थे (घ) गमनार्थे

'क्षय' शब्द का किस अर्थ में आदि उदात्त होता है?

(क) निवास अर्थ में (ख) विनाश अर्थ में

(ग) गति अर्थ में (घ) गमन अर्थ में

14. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) 'ज्येष्ठकनिष्ठयोः' शब्दयोः अन्तोदात्तः कदा भवति?

(क) सम्मानार्थे (ख) वयसि अर्थे

(ग) निपुणार्थे (घ) स्तुत्यर्थे

'ज्येष्ठकनिष्ठयोः' शब्द का अन्त उदात्त कब होता है?

(क) सम्मान अर्थ में (ख) वयसि अर्थ में

(ग) निपुण अर्थ में (घ) स्तुति अर्थ में

अथवा

(ब) कीदृशस्य स्त्रीविषयस्य आदिः उदात्तो भवति?

(क) ह्रस्वादेः (ख) ह्रस्वान्तस्य

(ग) दीर्घादेः (घ) दीर्घान्तस्य

स्त्रीविषय का आदि उदात्त किससे होता है?

(क) ह्रस्व आदि (ख) ह्रस्वान्त

(ग) दीर्घ आदि (घ) दीर्घान्त

15. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) 'मकर'-शब्दस्य कः स्वरो भवति?

(क) आद्युदात्तः (ख) अन्तोदात्तः

(ग) मध्योदात्तः (घ) सर्वोदात्तः

'मकर' शब्द का कौन-सा स्वर होता है?

(क) आदि उदात्त (ख) अन्त उदात्त

(ग) मध्य उदात्त (घ) सर्व उदात्त

अथवा

(ब) निपाताः भवन्ति—

(क) अन्तोदात्ताः (ख) अनुदात्ताः

(ग) आद्युदात्ताः (घ) मध्यस्वरिताः

निपात होते हैं

(क) अन्त उदात्त (ख) अन उदात्त

(ग) आदि उदात्त (घ) मध्यस्वरित

16. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) 'पूजनात्पूजितमनुदात्तं काष्ठादिभ्यः' सूत्रे कति पदानि सन्ति?

(क) त्रीणि (ख) चत्वारि

(ग) नव (घ) दश

'पूजनात्पूजितमनुदात्तं काष्ठादिभ्यः' इस सूत्र में कितने पद हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) नौ (घ) दश

अथवा

(ब) गतौ परतः गतिः भवति—

(क) उदात्तः (ख) स्वरितः

(ग) अनुदात्तः (घ) प्रचयः

गति संज्ञक के परे गति संज्ञक होता है

(क) उदात्त (ख) स्वरित

(ग) अनुदात्त (घ) प्रचयः

17. तद्धितस्य इत्यस्मिन् सूत्रे कस्य अन्तोदात्तो भवति?

(क) चितः तद्धितस्य (ख) कितः तद्धितस्य

(ग) पितः तद्धितस्य (घ) शितः तद्धितस्य

तद्धितस्य इत्यस्मिन् सूत्र में किसका अन्त उदात्त होता है?

(क) चित तद्धित का (ख) कित तद्धित का

(ग) पित तद्धित का (घ) शित तद्धित का

18. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) कर्मधारयोऽनिष्ठा इति सूत्रं प्रयुज्यते

(क) अव्ययीभावे (ख) कर्मधारये

(ग) द्वन्द्वे (घ) तत्पुरुषे

कर्मधारयोऽनिष्ठा—इस सूत्र का प्रयोग होता है

(क) अव्ययीभाव में (ख) कर्मधारय में

(ग) द्वन्द्व में (घ) तत्पुरुष में

अथवा

(ब) बहुव्रीहौ विश्वं संज्ञायाम् इति सूत्रं प्रयुज्यते—

(क) कर्मधारये (ख) बहुव्रीहौ

(ग) द्वन्द्वे (घ) तत्पुरुषे

बहुव्रीहौ विश्वं संज्ञायाम्—इस सूत्र का प्रयोग होता है

(क) कर्मधारय में (ख) बहुव्रीहि में

(ग) द्वन्द्व में (घ) तत्पुरुष में

19. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) अक्षसूक्ते कति मन्त्राः सन्ति?

(क) दश (ख) द्वादश

(ग) चतुर्दश (घ) षोडश

अक्षसूक्त में कितने मंत्र हैं?

(क) दश (ख) बारह

(ग) चौदह (घ) सोलह

अथवा

(ब) पर्जन्यदेवस्य स्तुतिः कस्मिन् वेदे प्राप्यते?

(क) अथर्ववेदे (ख) सामवेदे

(ग) यजुर्वेदे (घ) ऋग्वेदे

पर्जन्य देव की स्तुति किस वेद में प्राप्त होती है?

(क) अथर्ववेद में (ख) सामवेद में

(ग) यजुर्वेद में (घ) ऋग्वेद में

20. युक्तं विकल्पं चिनुत—

उचित विकल्प चुनिए :

(अ) चेतः भवति—

(क) शिरः (ख) नासिका

(ग) नेत्रे (घ) मनः

चेत है

(क) सिर (ख) नासिका

(ग) नेत्र (घ) मन

अथवा

(ब) प्रज्ञानमित्यत्र ल्युट् कस्मिन् अर्थे व्यवहृतम्?

(क) करणे (ख) कर्मणि

(ग) अधिकरणे (घ) कर्तरि

प्रज्ञानमित्यत्र यहाँ ल्युट् किस अर्थ में प्रयोग में आया है?

(क) करण (ख) कर्म

(ग) अधिकरण (घ) कर्तरि

[B] पञ्चदशप्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×15=30

निर्देशानुसार पंद्रह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

21. मेलनं कुरु—

(i) ब्रह्मवेदो भवति— (क) ऋग्वेदः

(ख) अथर्ववेदः

(ii) अङ्गिरसेन दृष्टाः मन्त्राः भवन्ति— (ग) शान्तिपुष्टिकर्मयुक्ताः

(घ) आभिचारिकाः

मिलान कीजिए :

(i) ब्रह्मवेद है (क) ऋग्वेद

(ख) अथर्ववेद

(ii) अङ्गिरस द्वारा देखे गए मंत्र हैं (ग) शान्तिपुष्टिकर्मयुक्त

(घ) आभिचारिका

22. मेलनं कुरु—

(i) गतौ परतः गतिः अत्र प्रत्यय	(क) तिङ् प्रत्यय
	(ख) सुप् प्रत्यय
(ii) चादिलोपे विभाषा इति सूत्रं भवति	(ग) नित्यम्
	(घ) वैकल्पिकम्

मिलान कीजिए :

(i) गतौ परतः गतिः में है	(क) तिङ् प्रत्यय
	(ख) सुप् प्रत्यय
(ii) चादिलोपे विभाषा यह सूत्र है	(ग) नित्य
	(घ) वैकल्पिक

23. मेलनं कुरु—

(i) शेषे विभाषा इति सूत्रं भवति—	(क) संज्ञासूत्रम्
	(ख) विधिसूत्रम्
(ii) हन्त च इति सूत्रं भवति	(ग) विकल्पेन अनुदात्तविधायकम्
	(घ) विकल्पेन उदात्तविधायकम्

मिलान कीजिए :

(i) शेषे विभाषा यह सूत्र है	(क) संज्ञा सूत्र
	(ख) विधि सूत्र
(ii) हन्त च यह सूत्र है	(ग) विकल्प से अनुदात्त विधायक
	(घ) विकल्प से उदात्त विधायक

24. मेलनं कुरु—

(अ)	*(i)*	गत्यर्थलोटा युक्तं लोडन्तम्	(क) नानुदात्तं भवति
			(ख) नोदात्तं भवति
	(ii)	लोपे विभाषा इति सूत्रं भवति	(ग) तिङन्तस्वरविधायकम्
			(घ) सुवन्तस्वरविधायकम्

अथवा

(ब)	*(i)*	आहो उताहो इत्येताभ्यां युक्तं तिङन्तम्	(क) अनुदात्तं न भवति
			(ख) अनुदात्तं भवति
	(ii)	हि च इत्यत्र 'हि' इति पदं भवति	(ग) अव्ययम्
			(घ) उपसर्गः

मिलान कीजिए :

(अ)	*(i)*	गति अर्थवाले लोट् लकार युक्त लोडन्त का	(क) अनुदात्त नहीं होता
			(ख) उदात्त नहीं होता
	(ii)	लोपे विभाषा यह सूत्र है	(ग) तिङन्तस्वरविधायक
			(घ) सुवन्तस्वरविधायक

अथवा

(ब)	*(i)*	आहो उताहो इनसे युक्त तिङन्त को	(क) अनुदात्त नहीं होता
			(ख) अनुदात्त होता
	(ii)	हि च यहाँ 'हि' पद है	(ग) अव्यय
			(घ) उपसर्ग

25. मेलनं कुरु—

(i) अर्थे इति सूत्रं प्राप्यते	(क) तिङन्तस्वरप्रकरणे
	(ख) समासस्वरप्रकरणे
(ii) दिवः परा झलादिविभक्तिः	(ग) उदात्ता
	(घ) न उदात्ता

मिलान कीजिए :

(i) अर्थे—यह सूत्र प्राप्त होता है	(क) तिङन्तस्वर प्रकरण में
	(ख) समास स्वर प्रकरण में
(ii) दिवः परा झलादि विभक्ति को	(ग) उदात्त होता है
	(घ) उदात्त नहीं होता

26. मेलनं कुरु—

(अ) *(i)* छन्दसि ङ्याः परस्य नामः	(क) उदात्तस्वरो भवति
	(ख) उदात्तस्वरो विकल्पेन भवति
(ii) ऊडिदम्पदाद्यप्पुम्रैद्युभ्यः इत्यनेन	(ग) असर्वनामस्थानविभक्तेः उदात्तस्वरः
	(घ) सर्वनामस्थानविभक्तेः उदात्तस्वरः

अथवा

(ब) *(i)* तिसृशब्दात्परस्य जसः	(क) आद्युदात्तो भवति
	(ख) अन्तोदात्तो भवति
(ii) एवादयो भवन्ति—	(ग) अन्तोदात्ताः
	(घ) आद्युदात्ताः

मिलान कीजिए :

(अ)	*(i)*	छंद में ङ्यन्त से परे नाम को	(क) उदात्त स्वर होता है
			(ख) उदात्त स्वर विकल्प से होता है
	(ii)	ऊठ, इदम्, पदादी, अप्, पुम्, रै तथा दिव शब्दों से परे	(ग) असर्वनाम विभक्ति का उदात्त स्वर (होता है)
			(घ) सर्वनाम विभक्ति का उदात्त स्वर (होता है)

अथवा

(ब)	*(i)*	तिसृ शब्द से परे जस को	(क) आदि उदात्त होता है
			(ख) अन्त उदात्त होता है
	(ii)	एवादयो होता है	(ग) अन्त उदात्त
			(घ) आदि उदात्त

निर्देश : निम्नलिखितवाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनोतु—

निम्नलिखित वाक्य पढ़कर सत्य और असत्य चुनिए :

27. कस्यापि वाक्य**द्वयस्य** उत्तरं ददातु—

किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) अग्निदेवो भवति यजमानस्य पिता। (सत्यम्/असत्यम्)

यजमान का पिता अग्निदेव होता है। (सत्य/असत्य)

(ब) दाशुषे इति रूपं भवति दाशृधातोः क्सुप्रत्ययययोगेन। (सत्यम्/असत्यम्)

दाशृ धातु में क्सु प्रत्यय के योग से दाशुषे रूप होता है। (सत्य/असत्य)

(स) देवेभिः इत्यस्य लौकिकं रूपं भवति देवैः। (सत्यम्/असत्यम्)

देवेभिः इसका लौकिक रूप देवैः होता है। (सत्य/असत्य)

28. कस्यापि वाक्यद्वयस्य उत्तरं ददातु—

किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) ''न जानीमो नयता बद्धमेतम्'' इति वाक्यं वर्तते अक्षसूक्ते। (सत्यम्/असत्यम्)

''न जानीमो नयता बद्धमेतम्'' यह वाक्य अक्षसूक्त में है। (सत्य/असत्य)

(ब) 'न्युप्ताः' इत्यस्य अर्थो भवति 'मृताः'। (सत्यम्/असत्यम्)

'न्युप्ताः'—इसका अर्थ 'मृताः' है। (सत्य/असत्य)

(स) अक्षाः अहस्तासः हस्तवन्तं सहन्ते। (सत्यम्/असत्यम्)

ये बिना हाथ के होकर भी हाथवालों को पराजित करते हैं। (सत्य/असत्य)

29. कस्यापि वाक्यद्वयस्य उत्तरं ददातु—

किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) पर्जन्यदेवः वृक्षान् राक्षसान् च नाशयति। (सत्यम्/असत्यम्)

पर्जन्य देव वृक्षों और राक्षसों का नाश करते हैं। (सत्य/असत्य)

(ब) पर्यन्यदेवस्य आज्ञया पृथिवी नमति। (सत्यम्/असत्यम्)

पर्जन्य देव की आज्ञा से पृथ्वी झुकती है। (सत्य/असत्य)

(स) 'दीया' इति रूपं 'दाधातोः' जायते। (सत्यम्/असत्यम्)

'दीया' इसका रूप 'दाधातोः' होता है। (सत्य/असत्य)

30. कस्यापि वाक्यद्वयस्य उत्तरं ददातु—

किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) शिष्याः प्रातः मनोः समीपे हस्तप्रक्षालनाय जलमानीतवन्तः। (सत्यम्/असत्यम्)

शिष्य प्रातःकाल मनु के समीप हाथ धोने के लिए जल लेकर आए। (सत्य/असत्य)

(ब) भृधातोः क्तिन्प्रत्यये प्रथमपुरुषैकवचने भृतिः इति रूपम्। (सत्यम्/असत्यम्)

भृ धातु में क्तिन् प्रत्यय प्रथम पुरुष एकवचन में 'भृतिः' रूप होगा। (सत्य/असत्य)

(स) मेधा प्राणिनाम् अन्तर्भागे स्थित्वा पूज्या भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

प्राणियों के अन्तस् में स्थित मेधा (बुद्धि) पूज्य होती है। (सत्य/असत्य)

31. कस्यापि वाक्य**द्वयस्य** उत्तरं ददातु—

किन्हीं **दो** वाक्यों के उत्तर दीजिए :

(अ) प्रजापतिः सर्वाभिः दिग्भिः निश्चितरूपेण व्याप्नोति। (सत्यम्/असत्यम्)

प्रजापति सभी दिशाओं में निश्चित रूप से व्याप्त है। (सत्य/असत्य)

(ब) रुद्रदेवो भवति नीलग्रीवः। (सत्यम्/असत्यम्)

रुद्रदेव नीलग्रीवा (नीली गरदन) हैं। (सत्य/असत्य)

(स) ऋग्वेदे रुद्रः अन्तरीक्षस्थानस्य देवः। (सत्यम्/असत्यम्)

ऋग्वेद में रुद्र अन्तरीक्ष स्थान के देव हैं। (सत्य/असत्य)

32. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) असौ _____ अरुण उत बभ्रुः सुमङ्गलः।

असौ _____ अरुण उत बभ्रुः सुमङ्गल।

(ब) सा नो भूतस्य _____ पत्न्युरुं लोकं पृथिवी नः कृणोतु।

सा नो भूतस्य _____ पत्न्युरुं लोकं पृथिवी नः कृणोतु।

33. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) यस्मिन्नृचः _____ यस्मिन् प्रतिष्ठिता रथनाभाविवारा।

यस्मिन्नृचः _____ यस्मिन् प्रतिष्ठिता रथनाभाविवारा।

(ब) किमिच्छन्ती सरमाप्रेदमानड् _____ जगुरिः पराचैः।

किमिच्छन्ती सरमाप्रेदमानड् _____ जगुरिः पराचैः।

34. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) यस्यामिदं जिन्वति प्राणदेजत् सा नो _____ पूर्वपेये दधातु।

यस्यामिदं जिन्वति प्राणदेजत् सा नो _____ पूर्वपेये दधातु।

(ब) नानावीर्या ओषधीर्या _____ पृथिवी नः प्रथतां राध्यतां नः।

नानावीर्या ओषधीर्या _____ पृथिवी नः प्रथतां राध्यतां नः।

35. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत—

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) येन कर्माण्यपसो _____ यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।

येन कर्माण्यपसो _____ यज्ञे कृण्वन्ति विदथेषु धीराः।

(ब) राजन्तमध्वराणां _____ दीदिविम्।

राजन्तमध्वराणां _____ दीदिविम्।

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×6=12

निर्देशानुसार छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

36. पथ्यस्य कति शिष्याः आसन्? तेषां नामानि लिखत। **अथवा** भागवते सुमन्तोः कति शिष्याः कथिताः?

पथ्य किसका शिष्य था? उसका नाम लिखिए। **अथवा** भागवत में सुमन्त के कितने शिष्यों का उल्लेख किया गया है?

37. कस्तावत् अथर्ववेदस्य प्रथमो मन्त्रः? शौनकसंहितायामयं मन्त्रः कुत्र प्राप्यते? **अथवा** वरुणनामकस्य ओषधेः उपयोगः कुत्र भवति?

अथर्ववेद का पहला मंत्र कौन-सा है? शौनकसंहिता में यह मंत्र कहाँ प्राप्त है? **अथवा** वरुण नामक औषधि का उपयोग कहाँ होता है?

38. लोट् च इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत।

लोट् च—इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

39. छन्दस्यनेकमपि साकाङ्क्षम् इति सूत्रेण किं भवति? **अथवा** उपसर्गव्यपेतं च इति सूत्रेण किं भवति?

छन्दस्यनेकमपि साकाङ्क्षम् सूत्र से क्या होता है? **अथवा** उपसर्गव्यपेतं च इस सूत्र से क्या होता है?

40. रुद्रोपासकाः रुद्रस्य किं किम् उद्दिश्य नमस्कुर्वन्ति?
रुद्र के उपासक रुद्र को किन-किन उद्देश्यों से नमन करते हैं?

41. मनः मनुष्यान् कथं परिचालयति? तच्च मनः कुत्र तिष्ठति?
मन मनुष्य को कैसे परिचालित करता है और मन कहाँ रुकता/ठहरता है?

[D] षट् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 3×6=18
छः प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

42. छान्दोग्योपनिषदमाश्रित्य समासेन टीकां लिखत।
छान्दोग्य उपनिषद्-आधारित एक संक्षिप्त टीका लिखिए।

43. गतिरनन्तरः **अथवा** देवताद्वन्द्वे च इति सूत्रमाश्रित्य व्याख्यां लिखत।
गतिरनन्तरः **अथवा** देवताद्वन्द्वे च सूत्र-आधारित व्याख्या लिखिए।

44. कनिष्ठ आह चमसा इत्यत्र स्वरनिर्देशं कुरुत।
कनिष्ठ आह चमसा—यहाँ स्वरनिर्देश कीजिए।

45. धातोः इति सूत्रस्य आद्युदात्तश्च इति सूत्रस्य **वा** अर्थम् उदाहरणं च लिखत।
धातोः सूत्र की **अथवा** आद्युदात्तश्च सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

46. अग्निमीले इति मन्त्रं येनेदं भूतं भुवनम् इति मन्त्रं **वा** पूरयित्वा अर्थं लिखत।
अग्निमीले—यह मंत्र **अथवा** येनेदं भूतं भुवनम्—यह मंत्र पूरा लिखकर अर्थ लिखिए।

47. प्रजापतिस्वरूपं समासेन लिखत।
प्रजापति का स्वरूप संक्षेप में लिखिए।

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 5×4=20
चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए :

48. शिक्षाशास्त्रस्य **अथवा** व्याकरणशास्त्रस्य उपयोगितां वर्णयत।
शिक्षाशास्त्र **अथवा** व्याकरणशास्त्र की उपयोगिता लिखिए।

49. ञ्नित्यादिर्नित्यम् इति सूत्रस्य फिषोऽन्त उदात्तः इति सूत्रस्य **वा** व्याख्यां लिखत।
ञ्नित्यादिर्नित्यम् **अथवा** फिषोऽन्त उदात्तः सूत्र की व्याख्या लिखिए।

50. अच्छा वद तवसम् इत्यस्य मन्त्रस्य अर्थं लिखत।
अच्छा वद तवसम्—इस मंत्र का अर्थ लिखिए।

51. शिवसङ्कल्पसूक्तानुसारं मनसः स्वरूपं समासेन लिखत।
शिवसङ्कल्पसूक्त के अनुसार मन का स्वरूप संक्षेप में लिखिए।

★★★